Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) **Fax,** +917732-252120
E-mail: fdptr82@gmail.com **Website:** www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve
पन्ना टाइगर रिजर्व

प्रेस नोट

पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघों के कुनवे की वर्तमान स्थिति

स्थानीय समाचार पत्रों के द्वारा विगत कुछ दिनों से पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघ के शावकों को लेकर कुछ विपरीत स्थिति निर्मित करने का समाचार प्रकाशित किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :–

दिनांक 03.4.2014 को टी–5 के 02 शावक अनुश्रवण पार्टी के द्वारा देखे जाने पर पूर्व में प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई थी। टी–5 अपने बच्चों की गुफा के पास ही लगातार 20.04. 2014 तक रही। परन्तु टी–5 दिनांक 21.4.2014 को एक किल करने के पश्चात स्वल्प अवधि को छोड़कर बच्चों से दूर किल पर ही रही। इस बीच लगातार 8 दिन तक वह पुनः बच्चों के पास वापस न जाने की स्थिति में दिनांक 28.04.2014 को सहायक संचालक मड़ला के नेतृत्व में एक टीम गठित की जा कर मौके पर उसे खोज किया गया। इस दरम्यान गुफा में कोई बच्चे नहीं मिले। मात्र बाघ के बाल मौके पर मिले। आस–पास के 500 मीटर के क्षेत्र में की गई सर्चिंग में ऐसे कोई प्रमाण नहीं मिले, जिससे बच्चे जीवित रहने की बात साबित हो सके। इसी दिनांक को

क्षेत्र संचालक के द्वारा टी–5 को टी–3 के साथ गुफा से काफी दूर के क्षेत्र में देखा गया, जहां

पर वह टी–3 के साथ दिनांक 24.04.2014 से 29.04.2014 तक रही। इसके पश्चात भी टी–5 के मूवमेंट में ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई कि वह अपने बच्चों को खोज करपाई। इससे स्पष्ट हुआ कि टी–5 ने बच्चों को त्याग दिया है। पूर्व में बाघों के कुनवे के दिये गये आंकड़ों में टी–5 के उक्त 02 बच्चे सम्मिलित थे।

जहां तक टी–1 के बच्चे होने की स्थिति है, इस सम्बन्ध में टी–1 के द्वारा तीसरी बार माह मई 2014 के द्वितीय सप्ताह में बच्चे देने के अप्रत्यक्ष साक्ष्य मिले हैं। परन्तु इनके द्वारा बच्चे देने की पुष्टि आज दिनांक तक नहीं हुई, अभी तक की गई खोज में टी–1 की तृतीय संतान के बारे में कोई भी बात कहना तकनीकी व प्रबन्धकीय रूप से कठिन है। उल्लेखनीय है इसी प्रकार की परिस्थितियों में पन्ना–213 को लगातार 4 माह न देखते हुए उनके द्वारा पहली बार सन्तान को किये गये त्याग को ध्यान में रखते हुए पन्ना–213 के दूसरी संतान के बच्चों को सफल तरीके से उनके द्वारा पालन–पोषण करने में प्रबन्धन अपना योगदान दिया है।

पन्ना टाइगर रिजर्व की बाघ पुनर्स्थापना योजना को लेकर पहले से ही नीति यह रही कि **''प्रबन्धन व सुरक्षा प्रबन्धन का काम है, श्रृजन का काम प्रकृति का है''।** इसी मूल सिद्धान्त के आधार पर ही पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघों के कुनवे को विश्व स्तरीय गौरव हासिल किया है। यह भी उल्लेखनीय है बात है कि **जन समर्थन से बाघ संरक्षण के सिद्धान्त** को आगे ले जाते हुए पन्ना टाइगर रिजर्व इस ओर हर प्रयास करता रहा है।

उल्लेखनीय है कि पन्ना में बाघों के द्वारा पूर्व में भी अपनी संतान को त्याग दिया है। टी–1 ने अपने दूसरी संतान के एक शावक को त्याग दिया, टी–4 ने पूरे दूसरी संतान को त्याग दिया, पी–213 के द्वारा भी प्रथम संतान को त्याग दिया। इसी सिलसिले में टी–5 के द्वारा बच्चों को त्याग दिया जाना एक सहज प्रक्रिया है, जिसे समझना मानवीय समझ के बाहर है।

अतः पार्क प्रबन्धन के हस्तक्षेप से किसी बाघ के बच्चों की मृत्यु होने की भ्रामक खबर सत्य से परे है एवं इनका खण्डन किया जाता है।

पन्ना के बाघों का कॉरीडोर में स्वच्छंद विचरण :–

यद्यपि पूर्व में 31 दिसम्बर 2013 को इस कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट कहा गया है कि पन्ना टाइगर रिजर्व में कम से कम 09 नर वयस्क एवं अर्धवयस्क बाघ हैं। हाल ही में जनवरी–फरवरी में हुई अकाल वारिश के कारण पन्ना टाइगर रिजर्व के कम से कम 5 अर्ध वयस्क (पन्ना–411, 412, 121, 122, 123) पन्ना टाइगर रिजर्व से बाहर निकलने के प्रमाण प्राप्त हो रहे हैं। इन्ही के साथ एक वयस्क पन्ना–212 पन्ना से संजय टाइगर रिजर्व का रास्ता तय किया है। यह हर्ष की बात है महज 03 वर्षों में पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघ के कुनवा विन्ध्याचल के आधे क्षेत्र में अपना पदार्पण किये हैं। इसी सम्बन्ध में दिनांक 30.05.2014 को वन विभाग के द्वारा अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण) की अध्यक्षता में वर्ष 2012 में ही पन्ना टाइगर रिजर्व के अर्धवयस्क बाघों के कोरीडोर में स्वच्छंद विचरण को लेकर बनी टास्क फोर्स की बैठक पन्ना में ही आयोजित हुई, जिसमें यह समस्त बातों को लेकर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है पन्ना 222 को चन्द्रनगर परिक्षेत्र में पहचान किया जाकर उसे रेडियो कॉलर भी पहनाया गया है।

कैमरा टैप

दिनांक 08.06.2014 को दमोह से प्राप्त कैमरा ट्रेप के चित्रों से इस बात की पुष्टि हुई है कि दमोह में उपलब्ध बाघ पन्ना–121 है।

पन्ना–212 के द्वारा पन्ना टाइगर रिजर्व से एक ऐतिहासिक प्रस्थान करते हुए पन्ना, बांधवगढ़ एवं संजय टाइगर रिजर्व के खोये हुए कॉरीडोर को पहचाना है, जिसमें प्रबन्धन ने सम्पूर्ण निष्ठा व कर्मठता के साथ किसी भी अवांछनीय मानव एवं वन्यप्राणी के द्वन्द को न होने

देते हुए सुरक्षित तरीके से पन्ना–212 को संजय टाइगर रिजर्व में पुनर्स्थापित कर दिये हैं। वहां पर पन्ना 212 शुरुआत के अटकलों को पार करते हुए संजय टाइगर रिजर्व में एक बाघिन के

साथ जोडा बना कर अपना स्वच्छंद जीवन जी रहे हैं। पन्ना टाइगर रिजर्व के द्वारा समय–समय पर जारी की जा रही बाघों के कुनवों की संख्या एक गतिमान (डायनामिक) संख्या है जिसमें संख्या जुड़ना या घटना एक स्वाभाविक व सहज है।

यहां पर इस बात को पुनः दोहराया जाता है कि किसी बाघों का सोर्स आबादी (Tiger Reserve) का मुख्य उद्देश्य उस भौगोलिक क्षेत्र में अपने कुनबे को Dispersal करने के सात नजदीकी अन्य Source Population के साथ गतिमान संपर्क स्थापित करना हैं। पन्ना 112 इस का सजीव उदाहरण हैं पन्ना 112 वर्ष 2011 से 2012 तक एक साल बाहर रहकर पुनः पन्ना टाइगर रिजर्व वापिस आकर टी–4 व टी–1 व टी–6 के साथ अपना जोड़ा बनाया है। अभी बाहर निकले अर्द्ध वयस्क नर शावकों में से कुछ भविष्य में पन्ना टाइगर रिजर्व में वापस भी आ सकते है। यदि इन बातों को लेकर अवांछनीय प्रबन्धकीय हस्तक्षेप से बाघों के कुनवे में कमी आने की बात कही जा रही है, यह सरासर गलत है एवं इन बातों को पुनः खण्डन किया जाता है।

''जय हिन्द''

दिनांक – 11.06.2014

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना